ब्रीफ न्यूज

मालिक के रुपये लेकर भागे दो कर्मी गिरफ्तार

बड़ाबाजार

कोलकाता. मालिक के रुपये लेकर भागे दो कर्मचारियों को बड़ाबाजार थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों के नाम अरुण प्रसाद और पार्थसारथी चौधरी हैं. दोनों को हावड़ा से पकड़ा गया है. नारायण दत्ता नामक एक व्यवसायी ने दो दिन पहले सोमवार को इसकी शिकायत बड़ाबाजार थाने में दर्ज करायी थी. शिकायत में उन्होंने बताया कि बड़ाबाजार में वह किराना सामान की सप्लाई करते हैं. बाजार में करीब 20 लाख रुपये का माल सप्लाई किया गया था. दुकानदारों को दिये गये माल के रुपये लेने के लिए उन्होंने दोनों कर्मचारियों को भेजा था. काफी देर तक उनका इंतजार करने के बावजूद वे नहीं लौटे. दोनों से फोन पर संपर्क करने के बावजूद उनसे बातचीत नहीं हो पा रही थी. इसके बाद उन्होंने इसकी शिकायत बड़ाबाजार थाने में दर्ज करायी. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दोनों आरोपियों को हावड़ा से गिरफ्तार कर लिया है.

हत्या के मामले में भाई का कराया नार्को टेस्ट

कोलकाता. दक्षिण कोलकाता के सदर्न एवेन्यू के एक फ्लैट में रहनेवालीं 48 वर्षीय डॉक्टर चंद्रेयी दास चौधरी की मौत के मामले में पुलिस ने उसके भाई जॉय का नार्को टेस्ट कराया है. इससे पहले इस मामले में लिये गये भाई व मां के बयानों की पुष्टि की जा रही है. घर में काम करनेवालीं दो नौकरानियों और अन्य रिश्तेदारों से भी पूछताछ पूरी हो गयी है. मिले बयानों में कई लिंक हकीकत से नहीं मिल रहे हैं, कुछ विसंगतियां भी मिली हैं. 22 मई 2018 की सुबह चंद्रेयी को फर्श पर पड़ा पाया गया था.

मैट्रिमोनियल साइट के जरिये ठगी, गिरफ्तार

कोलकाता. मैट्रिमोनियल वेबसाइट पर प्रोफाइल में खुद को सरकारी अधिकारी बता कर युवतियों से लाखों रुपये ठगनेवाले एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया. आरोपी का शुभेंदु राय चौधरी है. उसे बुधवार सुबह मुर्शिदाबाद के नवग्राम थाना अंतर्गत गुराह गांव से गिरफ्तार किया गया. कोलकाता पुलिस के संयुक्त आयुक्त (अपराध) मुरलीधर शर्मा ने बताया कि श्यामपुकुर थाने में 10 अगस्त को एक युवती ने उसके खिलाफ शिकायत दर्ज करायी थी. शिकायत में पीड़िता ने बताया कि एक दिन उसे एक युवक का फोन आया. उसने अपना परिचय शुभेंदु राय चौधरी के रूप में दिया और खुद को पीएचडी उत्तीर्ण एक सरकारी अधिकारी बताया. इसके बाद युवक ने विवाह का प्रस्ताव दिया. वेबसाइट पर उसका प्रोफाइल चेक करने के बाद उसे सही मान कर प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया. इसके बाद शादी और भविष्य की योजना को लेकर बातें होती थीं. दोनों मिलने भी लगे. इसी बीच आरोपी ने जल्द लौटाने की बात कह कर किस्तों में करीब 3.50 लाख रुपये ठग लिये. इसके बाद अचानक एक दिन अपना प्रोफाइल वेबसाइट से हटा कर संपर्क करने के सारे रास्ते बंद कर दिये. इसके बाद पीड़िता ने श्यामपुकुर थाने में शिकायत दर्ज करायी. प्राथमिक जांच में पुलिस को पता चला कि आरोपी इसके पहले भी कई लड़कियों को अपना शिकार बना चुका है. उससे पूछताछ की जा रही है.

बंद कमरे में हुई राजीव की जमानत याचिका पर सुनवाई

- मामले की आज भी होगी सुनवाई

संवाददाता ▷ कोलकाता

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बुधवार को सारधा चिटफंड घोटाले के मामले में कोलकाता के पूर्व पुलिस आयुक्त राजीव कुमार की अग्रिम जमानत अर्जी पर बंद कमरे में सुनवाई की.

श्री कुमार के वकील ने इसके लिए अपील की थी, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया. न्यायाधीश एस मुंशी और न्यायाधीश एस दासगुप्ता की खंडपीठ ने कुमार की गिरफ्तारी पूर्व जमानत अर्जी के समर्थन में उनके वकीलों की दलीलें केवल उन अधिवक्ताओं की मौजूदगी में सुनीं, जो मामले से जुड़े हैं. सुनवाई में उपस्थित रहे एक वकील ने बताया कि पीठ गुरुवार को एक बार फिर मामले में सुनवाई करेगी.

इससे पहले 21 सितंबर को कुमार की गिरफ्तारी पूर्व जमानत याचिका को अलीपुर जिला और सत्र अदालत ने खारिज कर दिया था. करोड़ों रुपये के सारधा चिटफंड घोटाले में सीबीआइ ने राजीव कुमार को एक गवाह के तौर पर पूछताछ के लिए हाजिर होने के लिए कई बार नोटिस दिया था. लेकिन वह बार-बार व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए टालते रहे. इस समय पश्चिम बंगाल अपराध जांच विभाग में अतिरिक्त महानिदेशक कुमार हालांकि सीबीआइ के समक्ष पेश नहीं हुए और उन्होंने हर बार और अधिक समय मांगा. सारधा समूह की कंपनियों ने लाखों लोगों के साथ कथित तौर पर 2500 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की.

चारू मार्केट : चोरी के सामान बस और ऑटो में लेकर भागते दिखे आरोपी

कोलकाता. म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट की एक दुकान से लाखों के सामान चुराकर चोरों का गिरोह फरार हो गया. घटना चारू मार्केट इलाके के देशप्राण शासमल रोड में मंगलवार देर रात की है. दुकान के मालिक ने बुधवार सुबह इसकी शिकायत चारू मार्केट थाने में दर्ज करायी. उन्होंने बताया कि म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट की दुकान होने के कारण शटर के बजाय मोटे शीशे का दरवाजा लगा था. रोज इसे बंद कर वे घर चले जाते थे. बुधवार सुबह दुकान खोलने आये, तो दरवाजा खुला पाया. अंदर से 30 से 35 म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट गायब थे. इसके बाद वह थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराने पहुंचे. इस शिकायत पर कार्रवाई करते हुए चारू मार्केट थाने की पुलिस जब दुकान के बाहर लगे कैमरे की जांच की, तो उसमें तीन से चार युवक सड़क पार करते दिखे. उनमें से एक युवक सड़क पार कर बस पर सवार होते दिखा. दूसरा युवक ऑटो में बैठकर फरार होते कैमरे में कैद हो गया. बाकी युवक वहां से पैदल ही भागते हुए दिखे. पुलिस उन्हें तलाश रही है.

रोजवैली मामला : अभिनेत्री शुभ्रा को इडी ने किया तलब

- 110 करोड़ रुपये की राशि का नहीं मिल रहा कोई हिसाब
- गुरुवार सुबह इडी दफ्तर में आने का नोटिस में निर्देश

संवाददाता ▷ कोलकाता

शुभ्रा कुंडू

रोजवैली चिटफंड मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (इडी) की टीम ने कंपनी के निदेशक गौतम कुंडू की पत्नी शुभ्रा कुंडू को फिर से पूछताछ के लिए बुलाया है.

इडी सूत्रों के मुताबिक बुधवार को इडी की तरफ से शुभ्रा के घर में नोटिस भेज कर उन्हें गुरुवार को सॉल्टलेक के सीजीओ कॉम्पलेक्स स्थित इडी दफ्तर में आने को कहा गया है.

इडी सूत्रों के मुताबिक शुभ्रा ने आभूषण खरीदने में हुई खर्च राशि का जो बयोरा दिया है, उसके हिसाब में बड़ी राशि की गड़बड़ी मिली है. हिसाब में 110 करोड़ रुपये का पता नहीं चल पा रहा है. इस बारे में कुछ और महत्वपूर्ण सवाल हैं, जिनका शुभ्रा से पूछताछ कर उनसे जवाब जानने की कोशिश करेगी. अधिकारी बताते हैं कि शुभ्रा से पूछताछ में उक्त राशि कहां है, इसका हिसाब मांगा जायेगा.

क्या है मामला :

गौरतलब है कि इडी की तरफ से पहले भी शुभ्रा कुंडू को नोटिस भेज कर सीजीओ कॉम्पलेक्स में हाजिर होने का निर्देश दिया था, लेकिन वह नहीं पहुंचीं थी. हालांकि इससे पहले, जब इडी ने शुभ्रा को पूछताछ के लिए बुलाया था, तब शाम के समय बुर्का पहन कर वह सबकी नजरों से बचती हुईं वहां पहुंची थी. उस समय शुभ्रा से तीन घंटे तक पूछताछ हुई थी.

नकली उत्पादों के खिलाफ चलाया अभियान

कोलकाता. राज्य के प्रवर्तन निदेशालय व पुलिस ने नकली उत्पादों के खिलाफ अभियान शुरू किया है. विभिन्न क्षेत्रों में टीवीएस मोटर्स व फोर्ड इंडियन प्राइवेट लिमिटेड के ब्रांडों के नाम पर फर्जी उत्पादों को बेचा जा रहा है, ऐसा ही आरोप लगाते हुए वी एंड जे एसोसिएट्स के टीम लीडर देवाशीष दास ने प्रवर्तन विभाग के समक्ष शिकायत दर्ज करायी थी. इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय व पुलिस ने मुर्शिदाबाद जिले के बरहमपुर थाना क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों की कई दुकानों में अभियान चलाया और नकली उत्पादों को जब्त किया.

डिजीटल इंडिया की ओर अग्रसर

बी. बी. सिंह, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी

सुप्रभात देवियों एवं सज्जनों

कंपनी की 54वीं वार्षिक आम सभा में एमएसटीसी लिमिटेड के निदेशक मंडल की ओर से आप सभी का स्वागत करते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है तथा आज हमारे साथ होने का समय निकालने के लिए मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूँ। आप सभी से रुबरू होना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। हाल ही के वर्षों के दौरान आपने कंपनी के प्रति जो विश्वास और भरोसा दिखाया है उसके लिए मैं अपना आभार प्रकट करता हूँ।

हमेशा की तरह, हम न सिर्फ अपने व्यवसाय में वृद्धि के लिए बल्कि अपने सभी शेयरधारकों हेतु निरंतर रूप से मूल्य तैयार करने की हर सम्भव कोशिश करने के प्रति समर्पित हैं।

आपको वितरित किए गए वर्ष 2018-19 के वार्षिक प्रतिवेदन में शामिल है 54वीं वार्षिक आम सभा की सूचना, निदेशकों का प्रतिवेदन तथा 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष हेतु कंपनी के लेखों का विवरण। आपकी अनुमति से मैंने उसे पढ़ा है। अब आपकी अनुमति से, मैं कंपनी के विकास पर प्रकाश डालना चाहूँगा।

आर्थिक एवं व्यावसायिक परिवेश

पिछले कुछ वर्षों से भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेजी से बढ़ रही है तथा वर्ष 2023 तक यह विश्व में पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो जाएगी। जहाँ तक जीडीपी का सवाल है भारत का स्थान विश्व की सर्वोच्च 10 अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

भारत को निर्माण का केन्द्र बनाने के लिए भारत सरकार ने "मेक इन इंडिया", "स्कील इंडिया" एवं "स्टार्टअप इंडिया" जैसी कई पहल शुरू की है तथा भारतीय अर्थव्यवस्था में उद्योग क्षेत्र का योगदान बढ़ाया है।

निर्माण एवं उत्पादन गतिविधियों में प्रगति के बल पर उद्योग क्षेत्र में वर्ष 2018-19 के दौरान वृद्धि दर में तेजी आयी है। वर्ष 2025 तक 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था हासिल करने के लक्ष्य के लिए भारत सरकार की रणनीति की योजना देश में तेजी से बढ़ती हुई मांग को निश्चय ही परिचालित करेगी।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान :

कई चुनौतियों के बावजूद, आपकी कंपनी ने परिचालनगत स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। फिर भी कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में हानि का सामना किया है जो सिर्फ पुराने समय से संबंधित बकायों के लिए किए गए प्रावधानों के चलते हुआ है।

- कंपनी ने स्क्रैप की बिक्री में लगभग 21% की वृद्धि दर्ज की है।
- ई-बिक्री व्यवसाय में भी काफी अच्छा प्रदर्शन हुआ है तथा लगभग 35% की वृद्धि दर्ज की गई है।
- ई-प्रोक्योरमेंट के क्षेत्र में लगभग 38% की वृद्धि दर्ज की गई है।
- कंपनी ने अपने शेयरधारकों को 1 : 1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी किए हैं।
- कंपनी ने 29 मार्च, 2019 को इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के जरिए भारत के राष्ट्रपति द्वारा बिक्री हेतु एक प्रस्ताव के जरिए प्रत्येक रु.10/- मूल्य के 1,76,70,400 इक्विटी शेयरों का प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ) लाया था। सार्वजनिक रूप से जुड़ने के कारण अब हम शेयरधारकों के प्रति और अधिक जिम्मेदार हो गए हैं तथा मुझे यह पूरा विश्वास है कि कंपनी निकट भविष्य में सफलता के नए शिखर पर पहुँचेगी। पर्याप्त लाभ न होने के कारण आपके निदेशकों ने वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए किसी भी लाभांश के भुगतान की सिफारिश नहीं की है।

एमएसटीसी के फायदे

सूचीबद्ध कंपनी होने के नाते, एमएसटीसी अपने प्रतियोगियों से आगे है तथा ई-कॉमर्स के क्षेत्र में पूर्वगामी है। अपने ग्राहकों को पारदर्शी, उचित एवं बाधारहित ई-कॉमर्स सेवाएँ प्रदान करने के लिए आपकी कंपनी के पास है बहु संख्यक सरकारी एवं निजी संस्थानों की सेवा करने की विशेष योग्यता। किसानों तक पहुँचने तथा उनकी पैदावार के लिए उचित कीमत प्रदान करने के साथ ही साथ बिचौलियों को दर किनार करके उपभोक्ता तक वाजिब दामों में अच्छे एवं सही उत्पाद पहुँचाने के लिए कंपनी हर सम्भव प्रयास कर रही है। अत:, उपभोक्ताओं की मांग तथा किसानों की आय बढ़ाने के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए एमएसटीसी काफी अच्छा काम कर रही है। इससे उचित एवं पारदर्शी तरीके से किसानों की आय दुगुनी करने का भारत सरकार का लक्ष्य पूरा होगा।

पिछले कुछ वर्षों से भारतीय ई-कॉमर्स क्षेत्र उल्लेखनीय प्रगति का गवाह रहा है, जिसने विदेशी निवेशकों को अपनी ओर आकर्षित किया है तथा हमें विश्वास है कि हमारी कंपनी इस क्षेत्र में वृद्धि के लिए पूरी तरह से तैयार है। एमएसटीसी ने हमेशा से अपने व्यवसाय क्षेत्र में प्रथम प्रस्तावक का लाभ उठाया है।

श्रेडिंग प्लांट के लिए एमएसटीसी एवं महिन्द्रा एक्सेलो का संयुक्त उद्यम

परिचालन के क्षेत्र में विस्तार तथा भारत में इस्पात उद्योग के सहयोग के लिए हमारी कंपनी ने एमएमआरपीएल के माध्यम से रिसाइक्लिंग क्षेत्र में प्रवेश किया। ईएलवी एवं अन्य व्हाईट गुड्स की रिसाइक्लिंग इन्हें श्रेडेड स्क्रैप में परिवर्तित करके, जो कि इस्पात संयंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है, के लिए भारत में अपनी तरह का एक अत्याधुनिक ऑटो श्रेडिंग प्लांट की स्थापना करने को तैयार है एमएमआरपीएल। ऑटो श्रेडिंग प्लांट के लिए एक फीडर यूनिट के रूप में एक कलेक्शन एवं डिसमैंटलिंग सेन्टर की स्थापना ग्रेटर नॉएडा में की गई है। चेन्नई में द्वितीय सेन्टर हेतु कार्य प्रक्रिया में है। इस वित्तीय वर्ष में दो और ऐसे कलेक्शन एवं डिसमैंटलिंग सेन्टर की स्थापना की जा रही है, जो कि मुख्य ऑटो श्रेडिंग प्लांट के लिए एक सप्लाई फीडस्टॉक के रूप में कार्य करेंगे।

परिचालनगत उत्कृष्टता

देश की एक प्रमुख स्टैंडअलोन ई-कॉमर्स कंपनी, एमएसटीसी के व्यवसाय क्षेत्र में शामिल है सेलिंग एजेंसी बिजनेस, स्क्रैपों एवं अन्य वस्तुओं की ई-बिक्री, ई-प्रोक्योरमेंट आदि। हमने पेट्रोलियम उद्योग, एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप के चयन हेतु ऑनलाइन ड्रॉ सिस्टम, ई-रकम (ई-राष्ट्रीय किसान एग्री मंडी) पोर्टल आदि जैसे अनोखे एग्जीम पोर्टल का विकास किया है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान एमएसटीसी ने कई अन्य नीलामियों के साथ हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी एवं गाजियाबाद डेवलपमेंट अथॉरिटी के लिए क्रमश: नीलामियाँ एवं भूखण्ड विकसित की है।

कृषि मंत्रालय की ओर से जैविक कृषि उपज की बिक्री के लिए जैविकखेती पोर्टल शुरू किया गया, जिसने किसानों और उपभोक्ताओं को आपस में जोड़ा है।

एमएसटीसी ई-कॉमर्स क्षेत्र में तेजी से प्रगति करने के साथ ही साथ पारदर्शी एवं निष्पक्षता का दावा करने वाली डिजीटल इंडिया जैसी भारत सरकार की विभिन्न पहल के कार्यान्वयन की साक्षी है। भारत सरकार की "लुक ईस्ट" एवं "एक्ट ईस्ट" नीतियों के तहत एमएसटीसी ने किसानों के हितों के लिए कई कदम उठाएँ है, जिससे एनएबीएआरडी, एनईआरएएमएसी, सीआरडब्ल्यूसी, एफपीओ जैसे अन्य स्टेकधारकों सहित, पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोग लाभान्वित होंगे तथा अपने विकास के लिए मिलकर काम करेंगे। हाल के प्रयासों से नए-नए अवसर सामने आएँगे तथा ज्यादातर राज्य सरकारों के साथ उनका अनुबंध फलप्रद होगा तथा एमएसटीसी के लिए राजस्व में बढ़ोत्तरी होगी। ई-प्रोक्योरमेंट से एमएसटीसी को व्यवसाय के क्षेत्र में गहरे प्रभाव छोड़ने तथा नए-नए व्यापार हासिल करने में मदद मिलेगी।

भावी दृष्टिकोण

शिप-ब्रेकिंग

स्क्रैप की बिक्री के विशाल बाजार पर अपना दबदबा कायम करने के लिए एमएसटीसी शिप को तोड़ने के उद्योग पर अपनी नजरे गड़ाए हुए है तथा इंटीग्रेटेड शिप ब्रेकिंग यार्ड की स्थापना की ओर अग्रसर है।

खनिज एवं खनिज ब्लॉक

अपने अत्यन्त अनुकूल ई-कॉमर्स पोर्टल के जरिए देश में कोयला तथा छोटे एवं बड़े खनिज ब्लॉक का आवंटन करनेवाली एक नामांकित एजेंसी है एमएसटीसी।

माइन डेवलपर-कम-ऑपरेटर का चयन ज्यादातर एमएसटीसी के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के जरिए किया जाता है। इसके अलावा, सभी प्रमुख खनिजों सहित कोयले की बिक्री ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के जरिए की जा रही है।

कृषि-बागवानी एवं वन उत्पाद

एमएसटीसी ने भारत में वन एवं कृषि क्षेत्र में सम्पर्क बढ़ाया है जो बड़ा बाजार है। एमएसटीसी असरदार विपणन रणनीतियों एवं नियमित सेवाओं के माध्यम से पूर्वोत्तर के जैविक एवं प्राकृतिक रूप से उपजनेवाले कृषि-बागवानी उत्पादों को उन्नत बाजार तक पहुँचाने के लक्ष्य हेतु प्रयास कर रही है।

ई-प्रोक्योरमेंट

एमएसटीसी ई-प्रोक्योरमेंट व्यवसाय का कठोर परिश्रम से अनुसरण करती है, जो इसकी एक बड़ी क्षमता है।

ई-रिटेल सॉफ्टवेयर

तेल विपणन कंपनियों के लिए एक अनोखे एग्जीम पोर्टल का विकास तथा सरकारी एवं विशेष रूप से एमएसएमई जैसे निजी संगठनों के लिए ई-रिटेल सॉफ्टवेयर समाधान प्रदान करना निकट भविष्य में एमएसटीसी के लिए एक बड़ा अवसर साबित होगा।

अनर्जक परिसम्पत्तियाँ (एनपीए)

एमएसटीसी द्वारा सरकारी एवं निजी कंपनियों के लिए एनपीए के रूप में चल एवं अचल परिसम्पत्तियों की नियमित नीलामी आयोजित की जाती है। लेकिन एकल सेवा प्रदाता द्वारा एनपीए की बिक्री के समेकन के लिए बैंकों की हाल की कार्रवाई दांव पर है तथा एमएसटीसी भविष्य में इस व्यवसाय को लपकने के लिए तैयार है।

निजी कंपनियों को लक्ष्य बनाना

एमएसटीसी निजी क्षेत्र से अप्रयुक्त ई-कॉमर्स व्यवसाय पर ज्यादा ध्यान दे रही है तथा इस प्रयास में एमएसटीसी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंडस टावर, टाटा पावर, अदानी ग्रुप, लार्सन एण्ड टुब्रो, वेदान्ता आदि के साथ बड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

विदेशी पदचिह्न को लक्ष्य बनाना

एमएसटीसी अपनी सम्पूर्ण ई-कॉमर्स सेवाओं के लिए विदेशों में अपने पंख फैलाना चाहती है।

अवसर

- ई-कॉमर्स : एमएसटीसी देश में एक प्रमुख स्टैंडअलोन ई-कॉमर्स सेवा प्रदाता के रूप में उभरी है। भारत सरकार की प्रमुख परियोजनाओं सहित नए एवं विविध व्यापारों में अपनी कोशिशों के साथ इसने इस क्षेत्र में बहु संख्यक वृद्धि की सम्भावना देखी है।
- एमएसटीसी निजी क्षेत्र में अप्रयुक्त क्षमताओं के दोहन की कड़ी कोशिश कर रही है।
- रिसाइक्लिंग क्षेत्र : एमएसटीसी एक रिसाइक्लिंग नीति तैयार करने की पहल की अगुवाई कर रही है। ऑटोमोबाइल क्षेत्र, ई-वेस्ट तथा सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट क्षेत्र में रिसाइक्लिंग प्लांट की स्थापना करने में इसकी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। ये क्षेत्र उभरते हुए क्षेत्र है।

आशंका

- जीईएम पोर्टल-अनावरण से अवसर घटना-माल एवं सेवाओं के ई-प्रोक्योरमेंट में व्यवसाय के लिए जीईएम पोर्टल के इस्तेमाल पर सरकारी निर्देश एक प्रहार है। ई-प्रोक्योरमेंट में कार्य का अवसर घटेगा क्योंकि किसी भी निगम के व्यवसाय का मुख्य भाग माल एवं सेवाओं की प्राप्ति पर खर्च होता है।
- ट्रेडिंग व्यवसाय : जहाँ तक नीति का सवाल है, एमएसटीसी ने शामिल जोखिम के चलते परम्परागत ट्रेडिंग व्यवसाय को सुरक्षित तरीके से करने का निर्णय लिया है। हालांकि, यह आर्थिक वृद्धि में आई मन्दी को दोबारा ठीक करने का प्रयास कर रही है तथा एनपीए आदि में भारी वृद्धि ने क्रेडिट सिस्टम को अस्थिर कर दिया है तथा इससे व्यवसाय के लिए एक कठिन परिदृश्य बना हुआ है।

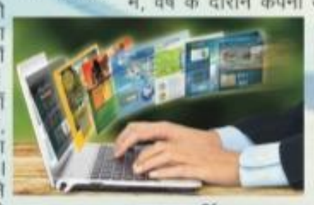

सम्मान एवं पहचान

वर्ष के दौरान आपकी कंपनी ने अपनी गतिविधियों के विभिन्न क्षेत्रों में कई सम्मान प्राप्त किए हैं। कुछ उल्लेखनीय सम्मान निम्नलिखित हैं :

1. माननीय उप राष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू ने प्रथम राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्रदान किया।
2. नेशनल एडूकेशन अवार्ड के तहत आपकी कंपनी को देवांग मेहता द्वारा, "कोलकाता बेस्ट एम्प्लॉयर ब्रॉण्ड अवार्ड 2017" दिया गया।
3. हिन्दी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए इस्पात मंत्रालय द्वारा "इस्पात राजभाषा विशिष्ट सम्मान" से सम्मानित किया गया।
4. जेवी कंपनी के अधीन ग्रेटर नॉएडा में एमएसटीसी के कलेक्शन एवं डिसमैंटलिंग सेन्टर को एनसीटी दिल्ली द्वारा "नेशन्स फर्स्ट अथॉराइज्ड रिसाइक्लींग सेन्टर फॉर एंड ऑफ लाइफ वेहिकल्स" घोषित किया गया।

मानव संसाधन

मानव संसाधन को हमने हमेशा से विशेष महत्व दिया है तथा विभिन्न कर्मचारी हित लाभ कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। हम सभी के बीच औद्योगिक संबंध बेहद सौहार्दपूर्ण एवं सहभागिता वाले हैं। अपने ग्राहकों तक आसानी से पहुँचने के लिए भारत के कई शहरों में कार्यालय खोले गए और ज्यादा व्यवसाय उत्पन्न करने तथा ग्राहकों की सभी प्रकार की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी शाखाओं में गैर कार्यकारी तथा व्यापार बढ़ाने के लिए अधिकारियों की नियुक्ति की गई। प्रबंधन की ओर से मैं आपको यह निश्चिन्त कर देना चाहता हूँ कि विवेकपूर्ण तथा अनुभवी बोर्ड के सदस्य, एक दक्ष एवं निष्ठावान श्रमबल एवं मजबूत आर्थिक संसाधन के साथ शेयरधारकों के हितों को ध्यान में रखते हुए हर वाजिब कोशिश हम करते रहेंगे।

सीएसआर

दोस्तों, आपके लगातार सहयोग, विश्वास एवं प्रोत्साहन ने समाज एवं समुदाय की जीवन शैली को बेहतर बनाने के लिए हमारी काफी मदद की है। हमने ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की सामाजिक विकास परियोजनाएँ शुरू की है। आपकी कंपनी ने स्वास्थ्य देखभाल, साफ सफाई एवं प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में विशेष जोर दिया है तथा भविष्य में भी समाज की उन्नति एवं विकास के लिए कार्य करती रहेगी। वर्ष 2018-19 के लिए सीएसआर गतिविधियों में खर्च की गई कुल राशि है रु. 20.00 मिलियन।

निवेशक सेवाएँ

कंपनी के शेयर को एनएसडीएल एवं सीडीएसएल दोनों डिपॉजिटरिज में डिमटेरियलाइज्ड कर दिया गया है। कंपनी के 14202 शेयरधारकों में से 94 शेयरधारकों के पास शेयर अभी भी भौतिक मोड में है। मैं अवशिष्ट शेयरधारकों से यह अनुरोध करता हूँ कि वे अपने शेयरों को डिमटेरियलाइज्ड करा लें, ताकि "अनक्लेम्ड बोनस सस्पेन्स एकाउण्ट" में पड़े हुए बोनस शेयर संबंधित शेयरधारकों के डिमैट एकाउण्ट में अंतरित कर दिए जा सकें। तत्पश्चात इससे शेयरधारकों को समय पर उनका लाभांश भी प्राप्त होगा।

निगमित अभिशासन

आपकी कंपनी हमेशा निगमित अभिशासन अभ्यास के उच्चतर मानक को बनाए रखने की कोशिश करती रहती है। आपकी कंपनी डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइस (डीपीई) फॉर सीपीएसई तथा एसईबीआई (लिस्टिंग ऑब्लीगेशन एंड डिसक्लोजर रिक्वायरमेंट) रेगुलेशन 2015 द्वारा तैयार किए गए निगमित अभिशासन पर सरकारी दिशानिर्देशों का पूर्ण पालन करती है। आपकी कंपनी निरंतर अपने शेयरधारकों के सर्वोत्तम हितों के लिए कार्य करती है तथा इन जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए अपनी निगमित आचार को मोल्ड करती है। कंपनी ऐसी प्रणाली एवं प्रक्रिया की स्थापना करती है ताकि उसके निदेशक मंडल को कंपनी की नीतियों के बारे में सटीक जानकारी हो तथा वे लापरवाही का त्याग कर सकें तथा सभी स्टेकधारकों के लिए सम्पूर्ण मूल्य में वृद्धि कर सकें। आपकी कंपनी बदलती परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने तथा उसे स्वीकार करने में अपनी सर्वोत्तम कोशिश करती है तथा अपने नियंत्रण के अंदर निगमित अभिशासन दिशानिर्देश/मापदण्ड का निरंतर अनुपालन करती है।

आभार

मैं, वर्ष के दौरान कंपनी को दिए गए बहुमूल्य सहयोग एवं दिशानिर्देश के लिए माननीय केन्द्रीय इस्पात मंत्री, माननीय इस्पात राज्य मंत्री, सचिव (इस्पात), अपर सचिव तथा एफए (इस्पात) एवं इस्पात मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, कोयला मंत्रालय, खनन मंत्रालय, नागरिक एवं उड्डयन, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा केन्द्र सरकार के अन्य विभिन्न मंत्रालय, सभी राज्य सरकारों, विभिन्न केन्द्र एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, निजी कंपनियों, बैंकरों, हमारे प्रिन्सिपलों एवं अन्य के प्रति अपना हार्दिक आभार प्रकट करता हूँ। मैं सभी स्तर पर हमारे विभिन्न कर्मचारियों द्वारा किए गए प्रयासों के लिए उनका अभिवादन करता हूँ। मैं साल दर साल आपकी कंपनी में अपना विश्वास एवं भरोसा रखनेवाले सभी शेयरधारकों, ग्राहकों एवं आपूर्तिकर्ताओं को हृदय से धन्यवाद देता हूँ तथा आपको यह भरोसा दिलाता हूँ कि हमारे शेयरधारकों के लिए और ज्यादा मूल्य तैयार करने की कोशिश हम जारी रखेंगे।

धन्यवाद
जय हिन्द !
स्थान : कोलकाता
तारीख : 25.09.2019

बी.बी.सिंह
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

(यह वार्षिक आम सभा की कार्यवाही का रिकॉर्ड नहीं है)

एम एस टी सी लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम) MSTC LIMITED (A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE)
www.mstcindia.co.in

ई-गवर्नेंस के जरिए ई-कॉमर्स, अर्थनीति एवं पर्यावरण को प्रोत्साहन
Promoting e-commerce, economy & environment through e-governance